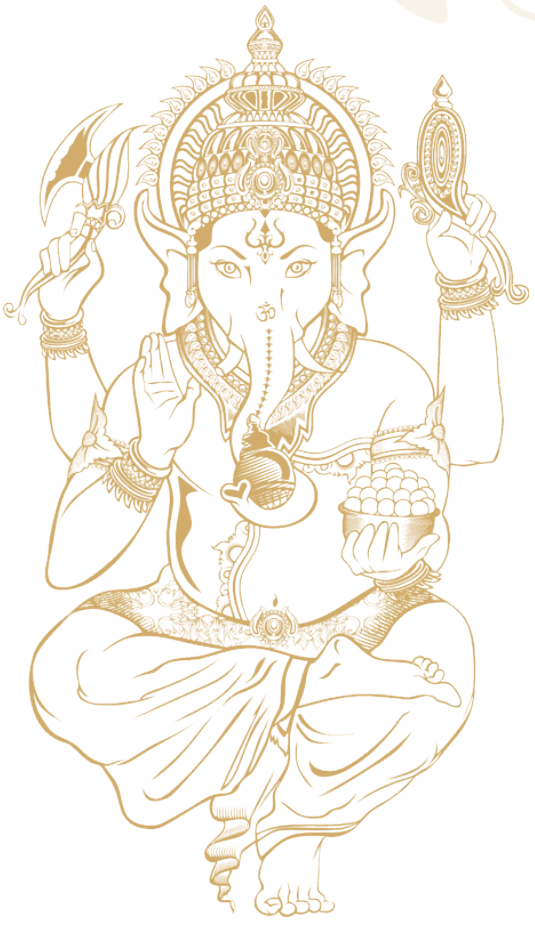

Mr.

15 Sep 2025

11:03 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 119543502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/09/2025**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**11:03:00 घंटे**
इष्ट	12:22:09 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:41:52 घंटे
वेलान्तर	00:04:47 घंटे
साम्पातिक काल	10:19:37 घंटे
सूर्योदय	06:06:08 घंटे
सूर्यास्त	18:25:58 घंटे
दिनमान	12:19:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	28:25:35 सिंह
लग्न के अंश	01:58:32 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	व्यतिपात
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	कू-कुणाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	01:58:32	306:49:41	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			सिंह	28:25:35	00:58:28	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	स्वराशि
चंद्र			मिथु	08:42:14	13:51:16	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	मित्र राशि
मंगल			तुला	01:02:28	00:39:51	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
बुध		अ	सिंह	29:59:42	01:50:29	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	मित्र राशि
गुरु			मिथु	26:02:49	00:09:20	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	00:32:45	01:13:01	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	04:45:27	00:04:37	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	24:06:51	00:00:06	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	24:06:51	00:00:06	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	07:12:45	00:00:27	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मीन	06:46:10	00:01:38	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो	व		मक	07:20:26	00:00:46	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			सिंह	08:44:33	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:02

लग्न-चलित

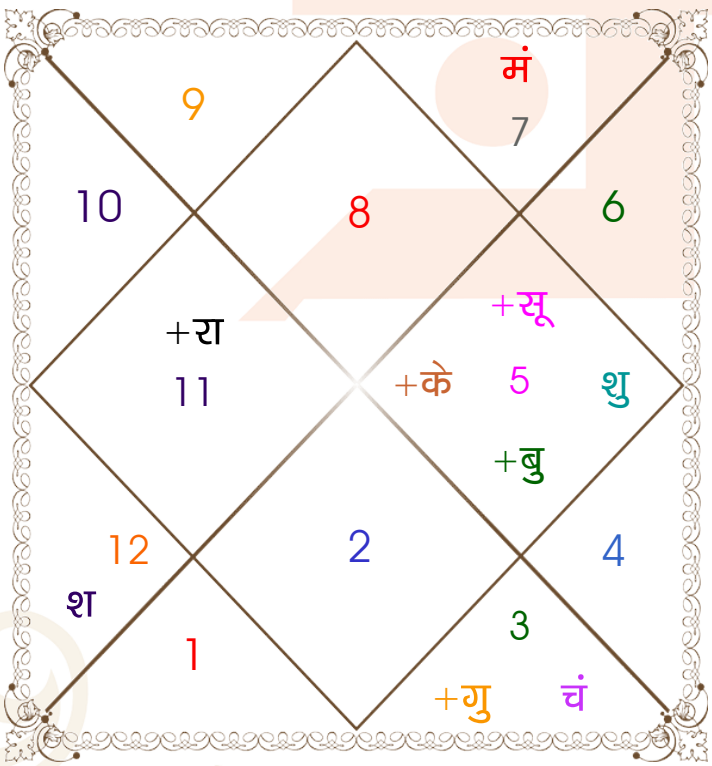

चन्द्र कुंडली

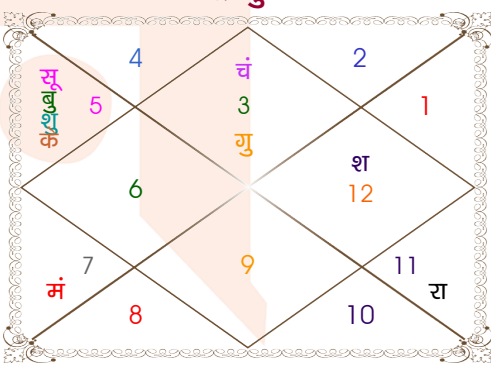

नवमांश कुंडली

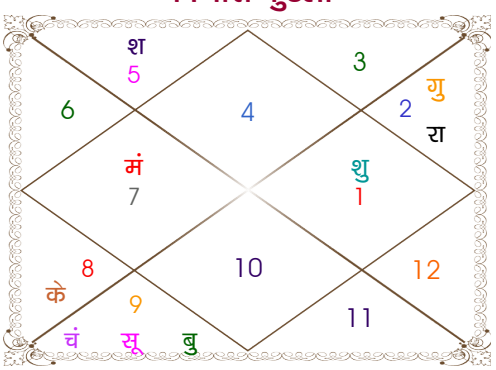

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 15 वर्ष 2 मास 30 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
15/09/2025		15/12/2040		15/12/2056		16/12/2075		15/12/2092	
15/12/2040		15/12/2056		16/12/2075		15/12/2092		16/12/2099	
	15/09/2025	गुरु	02/02/2043	शनि	19/12/2059	बुध	13/05/2078	केतु	13/05/2093
गुरु	21/01/2028	शनि	15/08/2045	बुध	28/08/2062	केतु	10/05/2079	शुक्र	13/07/2094
शनि	27/11/2030	बुध	21/11/2047	केतु	07/10/2063	शुक्र	10/03/2082	सूर्य	18/11/2094
बुध	16/06/2033	केतु	27/10/2048	शुक्र	06/12/2066	सूर्य	15/01/2083	चंद्र	19/06/2095
केतु	04/07/2034	शुक्र	28/06/2051	सूर्य	18/11/2067	चंद्र	15/06/2084	मंगल	15/11/2095
शुक्र	04/07/2037	सूर्य	15/04/2052	चंद्र	19/06/2069	मंगल	12/06/2085	राहु	03/12/2096
सूर्य	28/05/2038	चंद्र	15/08/2053	मंगल	28/07/2070	राहु	31/12/2087	गुरु	09/11/2097
चंद्र	27/11/2039	मंगल	22/07/2054	राहु	03/06/2073	गुरु	07/04/2090	शनि	18/12/2098
मंगल	15/12/2040	राहु	15/12/2056	गुरु	16/12/2075	शनि	15/12/2092	बुध	16/12/2099

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
16/12/2099		17/12/2119		16/12/2125		17/12/2135		16/12/2142	
17/12/2119		16/12/2125		17/12/2135		16/12/2142		00/00/0000	
शुक्र	17/04/2103	सूर्य	04/04/2120	चंद्र	17/10/2126	मंगल	14/05/2136	राहु	29/08/2145
सूर्य	16/04/2104	चंद्र	04/10/2120	मंगल	18/05/2127	राहु	01/06/2137	गुरु	16/09/2145
चंद्र	16/12/2105	मंगल	09/02/2121	राहु	15/11/2128	गुरु	08/05/2138		00/00/0000
मंगल	15/02/2107	राहु	03/01/2122	गुरु	17/03/2130	शनि	17/06/2139		00/00/0000
राहु	15/02/2110	गुरु	23/10/2122	शनि	17/10/2131	बुध	13/06/2140		00/00/0000
गुरु	16/10/2112	शनि	05/10/2123	बुध	17/03/2133	केतु	09/11/2140		00/00/0000
शनि	17/12/2115	बुध	10/08/2124	केतु	16/10/2133	शुक्र	09/01/2142		00/00/0000
बुध	17/10/2118	केतु	16/12/2124	शुक्र	17/06/2135	सूर्य	17/05/2142		00/00/0000
केतु	17/12/2119	शुक्र	16/12/2125	सूर्य	17/12/2135	चंद्र	16/12/2142		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 15 वर्ष 3 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।